IUJ in Press

दैनिक जागरण | 4
www.jagran.com रांची, 13 दिसंबर, 2022

इक्फाई विवि में साइबर सुरक्षा पर आनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स का उद्घाटन

जासं, रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में साइबर सुरक्षा पर छह सप्ताह के आनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स का उद्घाटन किया गया। मौके पर बतौर सम्मानित अतिथि रजिस्ट्रार, दूरसंचार विवाद निपटान और अपीलीय न्यायाधिकरण (भारत सरकार) बिरेश कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम के प्रतिभागी उद्योग बंधन बैंक, भारती एयरटेल, बिरलासाफ्ट, एचडीएफसी बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम, टीसीएस आदि जैसे संगठनों से और अकादमिक (संकाय सदस्य और छात्र) थे। प्रो. अजय सिंह, सर्टिफाइड कार्पोरेट डायरेक्टर और इंस्टीट्यूट आफ डायरेक्टर्स के फेलो उद्योग जगत के प्रमुख रिसोर्स पर्सन थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहा है और अधिकांश साइबर हमले वित्तीय लाभ से प्रेरित होते हैं। घर से काम करने की सुविधा भी मिलेगी।

11
For TV, e-paper & news visit: www.live7tv.com
Morning India
TUESDAY, RANCHI, DECEMBER 13, 2022

Online Certificate Course on Cyber Security inaugurated at ICFAI Univ

Ranchi: A Six-week Online Certificate Course on Cyber Security was inaugurated at ICFAI University, Jharkhand. Biresh Kumar, Registrar, Telecom Disputes Settlement and Appellate Tribunal (Government of India) was the guest of honour. Participants for the program were from both industry (from organisations like Bandhan Bank, Bharti Airtel, Birlasoft, HDFC Bank, Life Insurance Corporation of India, TCS etc) and academia (faculty members and students).Prof. Ajay Singh, Certified Corporate Director and Fellow of the Institute of Directors was the key resource person from the Industry.

Welcoming the participants to the program, Prof O R S Rao, Vice-Chancellor of the University said," Cybercrime has been growing steeply in the last few months and most of the Cyber Attacks have are motivated by financial gain. Work-from-Home facility that is being used by a number of working professionals has accelerated the Cyber Risk. AS per various studies, over 95% of the breaches are due to human aspects like negligence and lack of awareness. Hence there is an immediate need to enhance the awareness on Cyber Security among the functional managers as well as academia as it will help in putting together policies and processes to avoid Cyber-attacks. ".

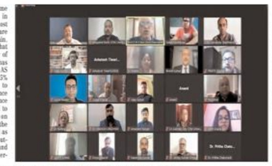

Addressing the participants, Biresh Kumar said, "Cyber Appellate Tribunal is part of the Telecom Disputes Tribunal. It was noticed that only 100 to 125 Cyber Crime appeals are made per year, which is a small fraction of the Cyber Crimes are taking place. It highlights the need to build more awareness among the working managers."

Explaining the details of the program, DrBhagabatBarik, Asst Dean of the University said "This certificate program was designed exclusively to address the needs of the non-IT working professionals and make them Cyber Ready so that they can harness the benefits of Digital Revolution, without compromising the ever increasing Cyber Risks. The program will be conducted in blended mode on every Sunday so that it is convenient for the working professionals to attend the course."

DrSudipta Majumdar , Associate professor of the University demonstrated how the Swaadhyay, Digital Learning Management System (LMS) will be used to deliver the blended course.

Proposing a vote o thanks, prof Arvind Kumar, Registrar of the University said, "Besides our campus based programs,

04 खबर मन्त्र रांची, मंगलवार 13.12.2022

साइबर अपराध के प्रति अधिक जागरूकता की जरूरत : बिरेश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में साइबर सुरक्षा पर छह सप्ताह के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर बिरेश कुमार, रजिस्ट्रार, दूरसंचार विवाद निपटान और अपीलीय न्यायाधिकरण (भारत सरकार) सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम के प्रतिभागी उद्योग (बंधन बैंक, भारती एयरटेल, बिरलासॉफ्ट, एचडीएफसी बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम, टीसीएस आदि जैसे संगठनों से) और अकादमिक (संकाय सदस्य और छात्र) दोनों से थे। प्रो. अजय सिंह, सर्टिफाइड कॉरपोरेट डायरेक्टर और इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स के फेलो उद्योग जगत के प्रमुख रिसोर्स पर्सन थे। श्री बिरेश कुमार ने कहा कि साइबर अपीलीय न्यायाधिकरण दूरसंचार विवाद न्यायाधिकरण का हिस्सा है। यह देखा गया कि प्रति वर्ष केवल 100 से 125 साइबर अपराध अपीलें की जाती हैं, जो कि हो रहे साइबर अपराधों का एक छोटा अंश है। यह कार्यकारी प्रबंधकों के बीच अधिक जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विवि के वीसी प्रो ओआरएस राव ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहा है। अधिकांश साइबर हमले वित्तीय लाभ से प्रेरित होते हैं। वहीं, विवि के सहायक डीन डॉ भगवत बारिक ने कहा कि यह प्रमाण पत्र कार्यक्रम विशेष रूप से गैर-आईटी पेशेवरों की जरूरतों को पूरा करने और उन्हें साइबर तैयार करने के लिए तैयार किया गया था, ताकि वे डिजिटल क्रांति के लाभों का लाभ उठा सकें।

प्रातः आवाज़ राजधानी
रांची
मंगलवार, 13 दिसंबर 2022 03

संक्षिप्त खबरें

इक्फाई विश्वविद्यालय में साइबर सुरक्षा पर ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स का उद्घाटन

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में साइबर सुरक्षा पर छह सप्ताह के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स का उद्घाटन किया गया। बिरेश कुमार, रजिस्ट्रार, दूरसंचार विवाद निपटान और अपीलीय न्यायाधिकरण (भारत सरकार) सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम के प्रतिभागी उद्योग (बंधन बैंक, भारती एयरटेल, बिरलासॉफ्ट, एचडीएफसी बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम, टीसीएस आदि जैसे संगठनों से) और अकादमिक (संकाय सदस्य और छात्र) दोनों से थे। प्रो. अजय सिंह, सर्टिफाइड कॉरपोरेट डायरेक्टर और इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स के फेलो उद्योग जगत के प्रमुख रिसोर्स पर्सन थे। कार्यक्रम में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा, पिछले कुछ महीनों में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहा है और अधिकांश साइबर हमले वित्तीय लाभ से प्रेरित होते हैं एवं घर से काम करने की सुविधा, जिसका उपयोग कई कामकाजी पेशेवर कर रहे हैं, ने साइबर जोखिम को बढ़ा दिया है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, 95% से अधिक उल्लंघन लापरवाही और जागरूकता की कमी जैसे मानवीय पहलुओं के कारण होते हैं। इसलिए कार्यात्मक प्रबंधकों के साथ-साथ शिक्षाविदों के बीच साइबर सुरक्षा पर जागरूकता बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है क्योंकि यह साइबर हमलों से बचने के लिए नीतियों और प्रक्रियाओं को एक साथ रखने में मदद करेगा। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, श्री बिरेश कुमार ने कहा, साइबर अपीलीय न्यायाधिकरण दूरसंचार विवाद न्यायाधिकरण का हिस्सा है। यह देखा गया कि प्रति वर्ष केवल 100 से 125 प्रतिशत साइबर अपराध अपीलें की जाती हैं, जो कि हो रहे साइबर अपराधों का एक छोटा अंश है। यह कार्यकारी प्रबंधकों के बीच अधिक जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। कार्यक्रम के विवरण के बारे में बताते हुए विश्वविद्यालय के सहायक डीन डॉ भगवत बारिक ने कहा, यह प्रमाणपत्र कार्यक्रम विशेष रूप से गैर-आईटी पेशेवरों की जरूरतों को पूरा करने और उन्हें साइबर तैयार करने के लिए तैयार किया गया था ताकि वे डिजिटल क्रांति के लाभों का लाभ उठा सकें। यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुदीप्त मजूमदार ने प्रदर्शित किया कि कैसे मिश्रित पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए स्वाध्याय, डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) का उपयोग किया जाएगा। वोट ओ थैंक्स का प्रस्ताव देते हुए विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रोफेसर अरविंद कुमार ने कहा, हमारे परिसर आधारित कार्यक्रमों के अलावा, हमारा विश्वविद्यालय कामकाजी पेशेवरों के लाभ के लिए ऐसे ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम आयोजित करता है, ताकि उन्हें अपने करियर के विकास के लिए फिर से कुशल बनाया जा सके।

इक्फाई विवि : साइबर सुरक्षा के सर्टिफिकेट कोर्स में एडमिशन शुरू

रांची | इक्फाई यूनिवर्सिटी में साइबर सुरक्षा का ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया गया है। इसका उद्घाटन वीसी प्रो. ओआरएस राव, दूरसंचार विवाद और अपीलीय न्यायाधिकरण के रजिस्ट्रार बिरेश कुमार ने किया। वीसी ने कहा कि साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, 95% से अधिक साइबर ठगी लापरवाही और जागरूकता की कमी के कारण होती है। साइबर हमलों से बचने के लिए यह कोर्स मददगार साबित होगा। यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुदीप्त मजूमदार ने भी विचार रखे। रजिस्ट्रार प्रो. अरविंद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इक्फाइ विवि में साइबर सुरक्षा ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

रांची. इक्फाइ विवि में साइबर सुरक्षा पर छह सप्ताह के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स का उदघाटन सोमवार को हुआ. दूरसंचार विवाद निपटान और अपीलीय न्यायाधिकरण के रजिस्ट्रार बिरेश कुमार ने उदघाटन किया. प्रो अजय सिंह बतौर रिसोर्स पर्सन उपस्थित थे. कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि साइबर अपराध में तेजी आयी है. 95 प्रतिशत से अधिक उल्लंघन लापरवाही और जागरूकता की कमी के कारण होते हैं. इस मौके पर डॉ भगवत बारिक, डॉ सुदीप्त मजूमदार और प्रो अरविंद कुमार मौजूद थे.

11 Morning India

SUNDAY, RANCHI, NOVEMBER 20, 2022

11th N J Yasaswy Memorial function conducted at ICFAI Univ

Ranchi: A Memorial function in honour of Late N J Yasaswy, founder of the ICFAI group was conducted at ICFAI University, Jharkhand campus. Swami Antarananda jee from Rama Krishna Mission Ashram, Ranchi was the guest of honour on the occasion and delivered the memorial lecture on "Reaching goals through Determination".

Prior to that, a number of students and faculty members of the University donated blood during the Blood Donation Camp, conducted in association with Red Cross Society of India. A debate completion was conducted among the students on the same topic.

Addressing the students, Prof O R S Rao said, "Late N J Yasaswy was a Man of Values and built the ICFAI group of Institutions on the foundation of Merit and Ethics. Following the same ideals, our University is focused on our mission to Groom our students into Successful Professionals, With Values." Highlighting the importance of Character to be successful and happy, Prof Rao exhorted the students to watch their thoughts, words and actions, which become habits, culminating in Character. "Discipline, Determination, Dedication and Diligence are critical to reach your destination", Prof Rao added.

Addressing the students, Swami Antarananda jee said, "In order to achieve your goals, you need to have a strong determination and put in concerted efforts. An individual cannot make progress, unless closely connected with the surrounding Society and inculcate a Spirit of Service to others."

Awards of recognition were given to the students and employees of the University that demonstrated Values in their day-to-day life. Ms Jiya Sinha, BBA (2020-23) and Mr Sonu Anand BBA-LLB (2020-25) received the awards of "Student of Values-2022" whereas Prof Manohar Kumar Singh and Gangadhar Vishwakarma were given the award of "Employee of Values-2022."

Prof Arvind Kumar, Registrar of the University proposed vote of thanks. The function was anchored by Dr Sweta Singh. All students, faculty members and other employees attended the function.

अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प आवश्यक : स्वामी अंतरानंद

रांची. रामकृष्ण मिशन आश्रम के स्वामी अंतरानंद ने कहा है कि व्यक्ति को लक्ष्य पाने के लिए दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होती है. वह इक्फाइ विवि, झारखंड में इक्फाइ समूह के संस्थापक स्वर्गीय एनजे यासस्वी के सम्मान में आयोजित व्याख्यान में बोल रहे थे. व्याख्यान का विषय दृढ़ संकल्प के माध्यम से लक्ष्यों तक पहुंचना था. मौके पर कुलपति प्रो ओआरएस राव ने छात्रों को प्रोत्साहित किया. मौके पर रक्तदान शिविर भी लगा.

प्रभात खबर Sun, 20 November 2022 https://epaper.prabha

पूर्वांचल सूर्य रांची, रविवार, 20 नवंबर 2022 झारखंड 2

इक्फाई विश्वविद्यालय में 11वां एनजे यशस्वी स्मृति समारोह आयोजित

सफलता की कुंजी है अनुशासन और दृढ़ संकल्प : प्रो.ओआरएस राव

विशेष संवाददाता

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र व कर्मी पुरस्कृत

अपने दैनिक जीवन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को मान्यता पुरस्कार दिए गए। जिया सिन्हा, बीबीए (2020-23) और सोनू आनंद बीबीए-एलएलबी (2020-25) को स्टूडेंट ऑफ वैल्यूज-2022 का पुरस्कार मिला, जबकि प्रो.मनोहर कुमार सिंह और गंगाधर विश्वकर्मा को कर्मचारी मान-2022 का पुरस्कार दिया गया।

प्रातः आवाज राजधानी रांची रविवार, 20 नवंबर 2022 03

इक्फाई विश्वविद्यालय में आयोजित 11वां एनजे याशस्वी स्मृति समारोह

रांची : इक्फाई समूह के संस्थापक स्वर्गीय एन जे यास्स्वी के सम्मान में एक स्मारक समारोह इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड परिसर में आयोजित किया गया। राम कृष्ण मिशन आश्रम, रांची के स्वामी अंतरानंद जी इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे और उन्होंने 'दृढ़ संकल्प के माध्यम से लक्ष्यों तक पहुंचना' पर स्मारक व्याख्यान दिया। इससे पहले, विश्वविद्यालय के कई छात्रों और संकाय सदस्यों ने रेड क्रॉस सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर के दौरान रक्तदान किया। ह्दृढ़ संकल्प के माध्यम से लक्ष्यों तक पहुंचनाह्व विषय पर छात्रों के बीच वाद-विवाद का आयोजन किया गया। छात्रों को संबोधित करते हुए, प्रो ओ आर एस राव ने कहा, ह्स्वर्गीय एन जे यास्स्वी मूल्यों के व्यक्ति थे और उन्होंने योग्यता और नैतिकता की नींव पर इक्फाई संस्थानों के समूह का निर्माण किया। उन्हीं आदर्शों का पालन करते हुए, हमारा विश्वविद्यालय अपने छात्रों को मूल्यों के साथ सफल पेशेवरों के रूप में तैयार करने के हमारे मिशन पर केंद्रित है। सफल और खुश रहने के लिए चरित्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, प्रो राव ने छात्रों को अपने विचारों, शब्दों और कार्यों को देखने के लिए प्रोत्साहित किया, जो आदत बन जाते हैं, जो चरित्र में परिणत होते हैं।

राष्ट्रीय नवीन मेल 04

इक्फाई विवि में 11वां एनजे यास्स्वी स्मृति समारोह का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। इक्फाई समूह के संस्थापक स्वर्गीय एन जे यास्स्वी के सम्मान में स्मारक समारोह इक्फाई विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। विशिष्ट अतिथि के रुप में राम कृष्ण मिशन आश्रम के स्वामी अंतरानंद जी मौजूद थे। इस अवसर पर बिशिष्ट अतिथि थे और उन्होंने दृढ़ संकल्प के माध्यम से लक्ष्यों तक पहुंचना पर स्मारक व्याख्यान दिया। इससे पहले विवि के कई छात्रों और संकाय सदस्यों ने रेड क्रॉस सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर के दौरान रक्तदान किया। दृढ़ संकल्प के माध्यम से लक्ष्यों तक पहुंचनाह्व विषय पर छात्रों के बीच वाद-विवाद का आयोजन किया गया। छात्रों को संबोधित करते हुए, प्रो ओ आर एस राव ने कहा, ह्स्वर्गीय एन जे यास्स्वी मूल्यों के व्यक्ति थे और उन्होंने योग्यता और नैतिकता की नींव पर इक्फाई संस्थानों के समूह का निर्माण किया। उन्हीं आदर्शों का पालन करते हुए, हमारा विश्वविद्यालय अपने छात्रों को मूल्यों के साथ सफल पेशेवरों के रूप में तैयार करने के हमारे मिशन पर केंद्रित है।

अपने दैनिक जीवन में मूल्यों का प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को मान्यता पुरस्कार दिए गए। सुश्री जिया सिन्हा, बीबीए (2020-23) और श्री सोनू आनंद बीबीए-एलएलबी (2020-25) को स्टूडेंट ऑफ वैल्यूज-2022 का पुरस्कार मिला, जबकि प्रो मनोहर कुमार सिंह और श्री गंगाधर विश्वकर्मा को कर्मचारी मान-2022 का पुरस्कार दिया गया।

राष्ट्रीय सागर विविध रांची रविवार, 20 नवंबर 2022 12 web: rashtriyasagar.com

इक्फाई विवि में आयोजित हुआ 11वां एनजे यास्स्वी स्मृति समारोह

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

सन्मार्ग रांची, रविवार, 20 नवंबर 2022 www.live7tv.com 02

इक्फाई विवि में स्मारक समारोह

रांची : इक्फाई समूह के संस्थापक स्वर्गीय एनजे यास्स्वी के सम्मान में इक्फाई विश्वविद्यालय में स्मारक समारोह डॉ श्वेता सिंह की अध्यक्षता में किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल राम कृष्ण मिशन आश्रम के स्वामी अंतरानंदजी ने दृढ़ संकल्प के माध्यम से लक्ष्यों तक पहुंचने पर स्मारक व्याख्यान दिया। कई छात्रों व संकाय सदस्यों ने रेड क्रास सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से शिविर में रक्तदान किया। प्रो ओआरएस राव ने कहा कि स्वर्गीय एनजे यास्स्वी मूल्यों के व्यक्ति थे। उन्होंने योग्यता और नैतिकता की नींव पर इक्फाई संस्थानों के समूह का निर्माण किया। उन्हीं आदर्शों का पालन करते हुए, हमारा विश्वविद्यालय अपने छात्रों को मूल्यों के साथ सफल पेशेवरों के रूप में तैयार करने के हमारे मिशन पर केंद्रित है। प्रो राव ने छात्रों को अपने विचारों, शब्दों व कार्यों को देखने के लिए प्रोत्साहित किया, जो आदत बन जाते हैं, जो चरित्र में परिणत होते हैं। मौके पर स्वामी अंतरानंदजी ने भी अपने विचार रखें। मौके पर सभी छात्र-छात्राएं संकाय सदस्य व कर्मचारी शामिल थे। धन्यवाद ज्ञापन प्रो अरविंद कुमार ने किया।

04 खबर मन्त्र रांची, रविवार 20.11.2022 रांची सिटी

इक्फाई विवि में 11 वां एनजे यास्स्वी स्मृति समारोह आयोजित

रांची। इक्फाई समूह के संस्थापक स्वर्गीय एन जे यास्स्वी के सम्मान में एक स्मारक समारोह इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड परिसर में आयोजित किया गया। राम कृष्ण मिशन आश्रम रांची के स्वामी अंतरानंद इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे और उन्होंने दृढ़ संकल्प के माध्यम से लक्ष्यों तक पहुंचना पर स्मारक व्याख्यान दिया। इससे पहले, विश्वविद्यालय के कई छात्रों और संकाय सदस्यों ने रेड क्रॉस सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर के दौरान रक्तदान किया। दृढ़ संकल्प के माध्यम से लक्ष्यों तक पहुंचना विषय पर छात्रों के बीच वाद-विवाद का आयोजन किया गया। छात्रों को संबोधित करते हुए स्वामी अंतरानन्द ने कहा कि अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, आपको एक दृढ़ संकल्प और ठोस प्रयास करने की आवश्यकता है। एक व्यक्ति तब तक प्रगति नहीं कर सकता, जब तक कि वह आसपास के समाज से निकटता से जुड़ा न हो और दूसरों के लिए सेवा की भावना पैदा न करे। अपने दैनिक जीवन में मूल्यों का प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को मान्यता पुरस्कार दिए गए। प्रो ओआरएस राव ने कहा कि स्वर्गीय एन जे यास्स्वी मूल्यों के व्यक्ति थे और उन्होंने योग्यता और नैतिकता की नींव पर इक्फाई संस्थानों के समूह का निर्माण किया। उन्हीं आदर्शों का पालन करते हुए विश्वविद्यालय अपने छात्रों को मूल्यों के साथ सफल पेशेवरों के रूप में तैयार करने के हमारे मिशन पर केंद्रित है। प्रो राव ने छात्रों को अपने विचारों, शब्दों और कार्यों को देखने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रातः आवाज राजधानी रांची गुरुवार, 08 दिसंबर 2022 03

इक्फाई विश्वविद्यालय में पूर्व छात्रों की बैठक 'अनुस्मारन विंटर-2022' का आयोजन

प्रातः आवाज

रांची : अनुस्मारन विंटर 2022 वर्ष 2022 के दौरान दूसरी पूर्व छात्रों की बैठक इक्फाई विश्वविद्यालय में काव के रेस्तरां में आयोजित की गई, जिसमें भारत और विदेशों के विभिन्न स्थानों के पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक की शुरुआत सिमलिया गांव की ग्रामीण महिलाओं द्वारा नागपुरी शैली में आदिवासी लोक नृत्य के स्वागत के साथ हुई।

पूर्व छात्रों का स्वागत करते हुए, इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा 'हमें खुशी है कि हमारे पूर्व छात्रों ने अपनी रुचि और जुनून के आधार पर विविध करियर के रास्ते चुने और भारत और विदेशों ऑस्ट्रेलिया, यूके, यूएस और कनाडा जैसे देश में भी अपनी पहचान बनाई। जबकि आप में से कई प्रतिष्ठित संगठनों में काम कर रहे हैं, कुछ आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, आईबीएस, केंद्रीय विश्वविद्यालयों आदि जैसे प्रमुख संस्थानों में उच्च अध्ययन के लिए गए हैं। हमने देखा कि हमारे लगभग 11% पूर्व छात्रों ने गायन, नृत्य, फिल्म अभिनय, टीवी श्रृंखला निर्देशन, मॉडलिंग, खेल आदि जैसे क्षेत्रों में उद्यमी और स्वतंत्र कलाकार बनना चुना।' इस अवसर पर, इक्फाई विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र न्यूजलेटर का दूसरा अंक, 'एल्युमनेस्ट' जारी किया गया, जिसमें पूर्व छात्रों पर पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों अपडेट शामिल थे। पूर्व छात्रों ने पुरानी यादों के साथ विश्वविद्यालय में परिसर के जीवन की अपनी यादों को याद किया और विश्वविद्यालय छोड़ने के बाद पेशेवर यात्रा के अनुभवों को साझा किया और अपनी पेशेवर सफलता में योगदान के लिए विश्वविद्यालय और संकाय सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। बैठक का समन्वय डॉ. पृथा चतुर्वेदी, प्रो सुमित सिन्हा और डॉ. बिजॉय गांगुली ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुब्रतो डे ने किया। कुलसचिव प्रोफेसर अरविंद कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए पूर्व छात्रों और विश्वविद्यालय के बीच सतत आधार पर संपर्क को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

इक्फाई विश्वविद्यालय में पूर्त छात्रों की बैठक अनुस्मारन विंटर-2022 का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अनुस्मारन विंटर 2022, वर्ष 2022 के दौरान दूसरी पूर्व छात्रों की बैठक इक्फाई विश्वविद्यालय में काव के रेस्तरां में आयोजित की गई, जिसमें भारत और विदेशों के विभिन्न स्थानों के पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक की शुरूआत सिमलिया गांव की ग्रामीण महिलाओं द्वारा नागपुरी शैली में आदिवासी लोक नृत्य के स्वागत के साथ हुई, इसके बाद गायन, नृत्य आदि जैसे मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

पूर्व छात्रों का स्वागत करते हुए, इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा, ह्हमें खुशी है कि हमारे पूर्व छात्रों ने अपनी रुचि और जुनून के आधार पर विविध करियर के रास्ते चुने और भारत और विदेशों ऑस्ट्रेलिया, यूके, यूएस और कनाडा जैसे देश में भी अपनी पहचान बनाई। जबकि आप में से कई प्रतिष्ठित संगठनों में काम कर रहे हैं, कुछ आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, आईबीएस, केंद्रीय विश्वविद्यालयों आदि जैसे प्रमुख संस्थानों में उच्च अध्ययन के लिए गए हैं। हमने देखा कि हमारे लगभग 11% पूर्व छात्रों ने गायन, नृत्य, फिल्म अभिनय, टीवी श्रृंखला निर्देशन, मॉडलिंग, खेल आदि जैसे क्षेत्रों में उद्यमी और स्वतंत्र कलाकार बनना चुना। इस अवसर पर, इक्फाई विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र न्यूजलैटर का दूसरा अंक, एल्युमनेस्ट जारी किया गया, जिसमें पूर्व छात्रों पर पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों अपडेट शामिल थे। पूर्व छात्रों ने पुरानी यादों के साथ विश्वविद्यालय में परिसर के जीवन की अपनी यादों को याद किया और विश्वविद्यालय छोड़ने के बाद पेशेवर यात्रा के अनुभवों को साझा किया और अपनी पेशेवर सफलता में योगदान के लिए विश्वविद्यालय और संकाय सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने छात्रों को करियर सलाह भी दी और छात्रों के रूप में और कार्यस्थल में अपने समय की सबसे कीमती यादों को साझा किया। पूर्व छात्रों की बैठक का समन्वय डॉ. पृथा चतुर्वेदी, प्रो सुमित सिन्हा और डॉ. बिजॉय गांगुली ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुब्रतो डे ने किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर अरविंद कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए पूर्व छात्रों और विश्वविद्यालय के बीच सतत आधार पर संपर्क को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

पहले और दूसरे चरण में लिखित ... व्यक्तिगत प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

इक्फाइ विवि के पूर्ववर्ती विद्यार्थी मिले, जमकर हुई मस्ती

रांची. इक्फाइ विवि के पूर्ववर्ती विद्यार्थियों ने अनुस्मरण विंटर-2022 का आयोजन किया. इसमें देश-विदेश में कार्यरत पूर्ववर्ती छात्र शामिल हुए, सिमलिया गांव की महिलाओं ने आदिवासी लोक नृत्य प्रस्तुत दी. कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि पूर्व छात्रों ने अपनी रुचि और जुनून के आधार पर अलग-अलग करियर के रास्ते चुने और भारत सहित ऑस्ट्रेलिया, यूके, यूएस और कनाडा जैसे देश में अपनी पहचान बनायी है. कई विद्यार्थी आइआइटी, आइआइएम, एनआइटी, आइबीएस, केंद्रीय विवि आदि संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि विवि के लगभग 11 प्रतिशत छात्रों ने गायन, नृत्य, फिल्म अभिनय, टीवी शृंखला निर्देशन, मॉडलिंग, खेल आदि जैसे क्षेत्रों में उद्यमी और स्वतंत्र कलाकार के रूप में करियर बनाया है. कार्यक्रम में पूर्व छात्र न्यूज लेटर का दूसरा अंक एल्युमनेस्ट जारी किया गया. धन्यवाद ज्ञापन प्रो अरविंद कुमार ने किया. इस अवसर पर डॉ पृथा चतुर्वेदी, प्रो सुमित सिन्हा, डॉ बिजॉय गांगुली, डॉ सुब्रतो डे आदि उपस्थित थे.

प्रभात खबर Thu, 08 December 2022 https://epaper.prabhatkhabar.com

झारखंड पूर्वांचल सूर्य रांची, गुरुवार 8 दिसंबर 2022 2

इक्फाई विश्वविद्यालय में पूर्व छात्रों की बैठक अनुस्मरण विंटर- 2022 का आयोजन

विशेष संवाददाता

रांची। अनुस्मरण विंटर 2022, वर्ष 2022 के दौरान इक्फाई विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों की दूसरी बैठक द काव के रेस्तरां में आयोजित की गई, जिसमें भारत और विदेशों के विभिन्न स्थानों के पूर्ववर्ती छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक की शुरुआत सिमलिया गांव की ग्रामीण महिलाओं द्वारा नागपुरी शैली में आदिवासी लोक नृत्य के स्वागत के साथ हुई, इसके बाद गायन, नृत्य आदि जैसे मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। पूर्व छात्रों का स्वागत करते हुए, इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा, हमें खुशी है कि हमारे पूर्व छात्रों ने अपनी रुचि और जुनून के आधार पर विविध करियर के रास्ते चुने और भारत और विदेशों ऑस्ट्रेलिया, यूके, यूएस और कनाडा जैसे देश में भी अपनी पहचान बनाई। जबकि कई प्रतिष्ठित संगठनों में काम कर रहे हैं, कुछ आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, आईबीएस, केंद्रीय विश्वविद्यालयों आदि जैसे प्रमुख संस्थानों में उच्च अध्ययन के लिए गए हैं। हमने देखा कि हमारे लगभग 11 प्रतिशत पूर्व छात्रों ने गायन, नृत्य, फिल्म अभिनय, टीवी श्रृंखला निर्देशन, मॉडलिंग, खेल आदि जैसे क्षेत्रों में उद्यमी और स्वतंत्र कलाकार बनना चुना।

इस अवसर पर, इक्फाई विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र न्यूजलेटर का दूसरा अंक, -एल्युमनेस्ट- जारी किया गया, जिसमें पूर्व छात्रों पर पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों अपडेट शामिल थे।

पूर्व छात्रों ने पुरानी यादों के साथ विश्वविद्यालय में परिसर के जीवन की अपनी यादों को याद किया और विश्वविद्यालय छोड़ने के बाद पेशेवर यात्रा के अनुभवों को साझा किया और अपनी पेशेवर सफलता में योगदान के लिए विश्वविद्यालय और संकाय सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने छात्रों को करियर सलाह भी दी और छात्रों के रूप में और कार्यस्थल में अपने समय की सबसे कीमती यादों को साझा किया।

पूर्व छात्रों की बैठक का समन्वय डॉ. पृथा चतुर्वेदी, प्रो सुमित सिन्हा और डॉ. बिजॉय गांगुली ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुब्रतो डे ने किया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर अरविंद कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए पूर्व छात्रों और विश्वविद्यालय के बीच सतत आधार पर संपर्क को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विवि के छात्र-छात्राएं व प्राध्यापकों ने भी भाग लिया।

राजधानी

इक्फाई विवि में पूर्व छात्रों की बैठक 'अनुस्मारन विंटर-2022' का आयोजन

हमारे पूर्व छात्रों ने रुचि और जुनून के आधार पर विदेशों में भी अपनी जगह बनाई : कुलपति

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अनुस्मारन विंटर 2022, वर्ष 2022 के दौरान दूसरी पूर्व छात्रों की बैठक इक्फाई विश्वविद्यालय में काव के रेस्तरां में आयोजित की गई, जिसमें भारत और विदेशों के विभिन्न स्थानों के पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक की शुरूआत सिमलिया गांव की ग्रामीण महिलाओं द्वारा नागपुरी शैली में आदिवासी लोक नृत्य के स्वागत के साथ हुई, इसके बाद गायन, नृत्य आदि जैसे मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। पूर्व छात्रों का स्वागत करते हुए, इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा, हमें खुशी है कि हमारे पूर्व छात्रों ने अपनी रुचि और जुनून के आधार पर विविध करियर के रास्ते चुने और भारत और विदेशों ऑस्ट्रेलिया, यूके, यूएस और कनाडा जैसे देश में भी अपनी पहचान बनाई। जबकि आप में से कई प्रतिष्ठित संगठनों में काम कर रहे हैं, कुछ आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, आईबीएस, केंद्रीय विश्वविद्यालयों आदि जैसे प्रमुख संस्थानों

टीवी श्रृंखला निर्देशन, मॉडलिंग, खेल आदि जैसे क्षेत्रों में उद्यमी और स्वतंत्र कलाकार बनना चुना। इस अवसर पर, इक्फाई विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र न्यूजलैटर का दूसरा अंक, एल्युमनेस्ट जारी किया गया, जिसमें पूर्व छात्रों पर पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों अपडेट शामिल थे। पूर्व छात्रों ने पुरानी यादों के साथ विश्वविद्यालय में परिसर के जीवन की अपनी यादों को याद किया और विश्वविद्यालय छोड़ने के बाद पेशेवर यात्रा के अनुभवों को साझा किया और अपनी पेशेवर सफलता में योगदान के लिए विश्वविद्यालय और संकाय सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने छात्रों को करियर सलाह भी दी और छात्रों के रूप में और कार्यस्थल में अपने समय की सबसे कीमती यादों को साझा किया। पूर्व

राष्ट्रीय नवीन मेल

इक्फाई विवि में 11वां एनजे यास्स्वी स्मृति समारोह का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। इक्फाई समूह के संस्थापक स्वर्गीय एन जे यास्स्वी के सम्मान में स्मारक समारोह इक्फाई विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में राम कृष्ण मिशन आश्रम के स्वामी अंतरानंद जी मौजूद थे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे और उन्होंने दृढ़ संकल्प के माध्यम से लक्ष्यों तक पहुंचना पर स्मारक व्याख्यान दिया। इससे पहले विवि के कई छात्रों और संकाय सदस्यों ने रेड क्रॉस सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर के दौरान रक्तदान किया। दृढ़ संकल्प के माध्यम से लक्ष्यों तक पहुंचनाह्र विषय पर छात्रों के बीच वाद-विवाद का आयोजन किया गया। छात्रों को संबोधित करते हुए, प्रो ओ आर एस राव ने कहा, स्वर्गीय एन जे यास्स्वी मूल्यों के व्यक्ति थे और उन्होंने योग्यता और नैतिकता की नींव पर इक्फाई संस्थानों के समूह का निर्माण

किया। उन्हीं आदर्शों का पालन करते हुए, हमारा विश्वविद्यालय अपने छात्रों को मूल्यों के साथ सफल पेशेवरों के रूप में तैयार करने के हमारे मिशन पर केंद्रित है।

अपने दैनिक जीवन में मूल्यों का प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को मान्यता पुरस्कार दिए गए। सुश्री जिया सिन्हा, बीबीए (2020-23) और श्री सोनू आनंद बीबीए-एलएलबी (2020-25) को स्टूडेंट ऑफ वैल्यूज-2022 का पुरस्कार मिला, जबकि प्रो मनोहर कुमार सिंह और श्री गंगाधर विश्वकर्मा को कर्मचारी मान-2022 का पुरस्कार दिया गया।

TV, Epaper & News: www.live7tv.com

شہر کی خبریں

City News

عوامی نیوز

رانچی: اتوار، ۴ر دسمبر ۲۰۲۲ء

اکفائی یونیورسٹی کا تیسرا کانووکیشن منعقد، 139 طلباء کو ملی ڈگریاں

عوامی نیوز، نمائندہ

रांची 04-12-2022

City भास्कर

तीसरा दीक्षांत समारोह • गवर्नर बोले- इक्फाई विवि में शुल्कों में दी जाती है रियायत, 77% छात्र हुए लाभान्वित

9 टॉपर्स को गोल्ड व 9 को सिल्वर, 139 पास आउट विद्यार्थियों को मिली डिग्री

अलग-अलग क्षेत्रों के लीडर्स ने डिग्री पाकर भरी भविष्य की उड़ान

डिग्री लेने के बाद छात्रों के चेहरे पर उत्साह देखा गया।

राज्यपाल से डिग्री प्राप्त करते हुए छात्र।

शत प्रतिशत प्लेसमेंट, 11% पास छात्र बनें उद्यमी : प्रो. राव

बीआईटी मेसरा की कन्वोकेशन सेरेमनी आज, मिलेगी डिग्री

Morning India

For TV, e-paper & news visit: www.live7tv.com

Guv pitches for helping poor students for higher education

3rd Convocation of the ICFAI University held

RANCHI: The 3rd Convocation of the ICFAI University, Jharkhand was conducted on Saturday at Aryabhatta auditorium, Morabadi, Ranchi.

Governor of Jharkhand, Ramesh Bais presided over the convocation and was the Chief Guest. Guest Honour was Justice Rongon Mukhopadhyay, Sitting Judge, Jharkhand High Court and Judge-in-charge, National University for Education and Research in Law, Ranchi. Addressing the audience, Governor appreciated the initiatives of the University to give fee concessions to the domiciled students of Jharkhand so that they can pursue quality education locally and also that 77% of the students were benefited out of it. He also congratulated Sangeeta Kachap, a student of the University for receiving Marang Gomke Jaipal Singh Munda Overseas Scholarship by the Govt of Jharkhand to study at the University of Sussex, UK. He advised the University to continue the good work and become a role model to all the Private Universities in Jharkhand. On the occasion, 139 students that graduated in 2022 were awarded degrees,which includes 7 PhD degrees. Besides, 9 gold medals and 9 silver medals were awarded to the top ranker and second rankers of the various programs, respectively. Welcoming the audience to the convocation, Prof O R S Rao, Vice-Chancellor of the University said, "Despite the COVID 19 pandemics, our University ensured that that all graduating students received quality education without any interruption, using our Digital Learning Management system, Swaadhyay. We are happy that 100% of eligible graduating students were placed. We are happy that our alumni made a mark for themselves in India and abroad, even in countries like Australia, UK, US and Canada. A number of them have been working in reputed organizations like Accenture, Asian Paints, Amazon, Google, Hindustan Unilever, IBM, ITC, TCS, WIPRO, Mahindra & Mahindra, etc. Some Alumni have gone for higher studies in premier Institutions like IITs, IIMs, NITs, IBS, Central Universities etc." "About 11% of our Alumni turned Entrepreneurs and became "Job Givers" rather than "Job seekers" and set up their own businesses in various districts of Jharkhand, in areas like school Education, Agri-business (like Mushroom Cultivation), Real Estate, Event Management, Hotels, Financial Services.", added Prof Rao. Addressing the graduating students, Dr T R K Rao, Chancellor of the University advised them to develop a positive attitude and aspire to become entrepreneurs, even after working for some time in industry. He also exhorted them to give back to the society. Narrating his own experience, Justice Rongon Mukhopadhyay, advised the students that patience, perseverance and passion are the key to success. Prof Arvind Kumar, Registrar of the University proposed a vote of thanks.

इक्फाई विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 139 छात्रों को मिली डिग्री, सात को मिली पीएचडी की उपाधि

कठिन परिश्रम व सकारात्मक सोच से मिलती है मंजिल : रमेश बैस

नवीन मेल संवाददाता

उद्यमिता विकास को बनाएं लक्ष्य : डॉ.टीआरके राव

02 | खबर मन्त्र | रांची, रविवार 04.12.2022 | राज मन्त्र

इक्फाई यूनिवर्सिटी तीसरे दीक्षांत समारोह में 9 विद्यार्थियों को मिला गोल्ड मेडल

झारखंड के सभी निजी विश्वविद्यालयों के लिए रोल मॉडल बने इक्फाई : राज्यपाल

बिहान भारत | झारखंड | 04 दिसंबर 2022 | 03

इक्फाई यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह आयोजित

हिन्दुस्तान | www.livehindustan.com | रांची, रविवार, 4 दिसंबर 2022 | 02

इक्फाई विश्वविद्यालय के 139 छात्रों को मिली डिग्री

इक्फाई विवि के तीसरे दीक्षांत समारोह में शनिवार को छात्रा को डिग्री देते राज्यपाल रमेश बैस।

रांची, प्रमुख संवाददाता। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड का तीसरा दीक्षांत समारोह शनिवार को मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेश बैस व सम्मानित अतिथि जस्टिस रोंगन मुखोपाध्याय मौजूद थे। समारोह में स्नातक के 139 छात्रों को डिग्री व 7 को पीएचडी की डिग्री दी गई। विभिन्न पाठ्यक्रमों के टॉपरों को 9 स्वर्ण व 9 रजत पदक भी प्रदान किए गए।

राज्यपाल ने झारखंड के छात्रों को शुल्क में रियायत देने के लिए विवि की पहल की सराहना की। साथ ही यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स, यूके में अध्ययन करने के लिए झारखंड सरकार की ओर से मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा ओवरसीज स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए विवि की छात्रा संगीता कच्छप को बधाई दी।

विवि के चांसलर डॉ टीआर के राव ने छात्रों को सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने व उद्यमी बनने की इच्छा रखने की सलाह दी। कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि कोविड के बावजूद विवि ने यह सुनिश्चित किया है कि सभी स्नातक छात्रों को डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, स्वाध्याय का उपयोग करके बिना किसी रुकावट के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो। मौके पर रजिस्ट्रार प्रो अरविंद कुमार, शिक्षक, छात्र व विवि कर्मी मौजूद थे।

प्रातः आवाज | झारखंड

इक्फाई यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह आयोजित

2022 में स्नातक करने वाले 139 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई, नौ छात्र स्वर्ण पदक से सम्मानित

राष्ट्रीय सागर | विविध | 12

इक्फाई विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 139 छात्रों को मिली डिग्री

कठिन परिश्रम व सकारात्मक सोच से मिलती है मंजिल : रमेश बैस

सात को मिली पीएचडी की उपाधि, नौ छात्रों को गोल्ड एवं नौ को सिल्वर मेडल से किया गया सम्मानित

उद्यमिता विकास को बनाएं लक्ष्य : डॉ. टीआरके राव

पूर्वांचल सूर्य

दैनिक | रांची | रविवार 4 दिसंबर 2022 | पृष्ठ : 12

कठिन परिश्रम और सकारात्मक सोच से मिलती है मंज़िल : रमेश बैस

- इक्फाई विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 139 छात्रों को मिली डिग्री
- सात को मिली पीएचडी की उपाधि
- 9 छात्रों को गोल्ड एवं 9 को सिल्वर मेडल से किया गया सम्मानित
- राज्यपाल व कुलाधिपति ने हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर दिया बल

उद्यमिता विकास को बनाएं लक्ष्य : डॉ.टीआरके राव

सन्मार्ग | रांची, बुधवार, 30 नवंबर 2022 | www.live7tv.com | 03

एक झलक

तीन दिसंबर को इक्फाई विवि का दीक्षांत समारोह, राज्यपाल करेंगे शिरकत

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय का तीसरा दीक्षांत समारोह 3 दिसंबर को आर्य भट्ट सभागार, मोरहाबादी में दोपहर 2 बजे आयोजित होगा। मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल रमेश बैस शिरकत करेंगे। अतिथि सम्मान जस्टिस रोंगन मुखोपाध्याय, सिटिंग जज, झारखंड उच्च न्यायालय व प्रभारी न्यायाधीश, नेशनल यूनिवर्सिटी फॉर एजुकेशन एंड रिसर्च इन लॉ रांची के होंगे। 2022 में स्नातक करने वाले 139 छात्रों को डिग्री दी जायेगी। इसमें 7 पीएचडी डिग्री शामिल हैं। 2022 में स्नातक करने वाले सभी छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर दीक्षांत समारोह के लिए तुरंत ऑनलाइन पंजीकरण कराएं। विश्वविद्यालय के सभी पूर्व छात्रों की बैठक उसी दिन संध्या 6.30 बजे काव्स रेस्टोरेंट, हरमू रोड में होगी।

04 | खबर मन्त्र | रांची, बुधवार 30.11.2022 | रांची सिटी

इक्फाई विवि का दीक्षांत समारोह 3 को, गवर्नर होंगे मुख्य अतिथि

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड का तीसरा दीक्षांत समारोह 3 दिसंबर शनिवार की दोपहर 2 बजे से मोरहाबादी के आर्यभप्त सभागार में आयोजित किया गया है। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेश बैस होंगे। उन्होंने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करने और मुख्य अतिथि बनने की सहमति दे दी है।

अनुस्मरण-2022 काव्स में बैठक

इक्फाई विश्वविद्यालय के सभी पूर्व छात्रों की बैठक 3 दिसंबर 2022 (शनिवार) को शाम 6.30 बजे काव्स रेस्टोरेंट, हरमू रोड, रांची में आयोजित की जाएगी।

समारोह के दौरान डिग्री प्रदान की जाएगी। इसमें 7 पीएचडी डिग्री

इक्फाइ विवि का दीक्षांत समारोह तीन दिसंबर को

रांची. इक्फाइ विवि का तीसरा दीक्षांत समारोह तीन दिसंबर को है. मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार में आयोजित इस समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल सह कुलाधिपति रमेश बैस होंगे. वहीं, विशिष्ट अतिथि झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर मुखोपाध्याय होंगे. समारोह का आयोजन अपराह्न दो बजे से होगा. दीक्षांत समारोह में 2022 में स्नातक करने वाले 139 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जायेगी. इनमें सात पीएचडी डिग्री शामिल हैं. विवि के जनसंपर्क अधिकारी अमर कुमार गुप्ता ने 2022 में स्नातक करने वाले सभी विद्यार्थियों आग्रह किया है कि वे विवि की वेबसाइट के माध्यम से तत्काल ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं. तीन दिसंबर की शाम साढ़े छह बजे पूर्ववर्ती विद्यार्थियों की बैठक भी होगी.

दैनिक भास्कर रांची 30-11-2022

इक्फाई विवि : दीक्षांत समारोह में 3 को 139 छात्रों को मिलेगी डिग्री

रांची| इक्फाई यूनिवर्सिटी झारखंड का तीसरा दीक्षांत समारोह तीन दिसंबर को दिन के दो बजे आरयू के आर्यभट्ट सभागार होगा। इसमें वर्ष 2022 में पास आउट 139 स्नातकों को उपाधि प्रदान की जाएगी। वहीं सात पीएचडी अवार्डी को भी उपाधि प्रदान की जाएगी। समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल सह कुलाधिपति रमेश बैस होंगे। वहीं जस्टिस रोंगन मुखोपाध्याय सम्मानित अतिथि होंगे। यूनिवर्सिटी

रांची, बुधवार, 30 नवंबर, 2022
दैनिक जागरण

इक्फाई यूनिवर्सिटी का दीक्षा समारोह तीन दिसंबर को

रांची : इक्फाई यूनिवर्सिटी झारखंड के तीसरे दीक्षा समारोह का आयोजन तीन दिसंबर को रांची यूनिवर्सिटी के आर्यभट्ट सभागार मोरहाबादी में होगा। इसमें झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस मुख्य अतिथि होंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि जस्टिस रोंगन मुखोपाध्याय, सिटिंग जज, झारखंड उच्च न्यायालय और प्रभारी

सन्मार्ग | रांची, बुधवार, 30 नवंबर 2022 | www.live7tv.com | 03

एक झलक

तीन दिसंबर को इक्फाई विवि का दीक्षांत समारोह, राज्यपाल करेंगे शिरकत

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय का तीसरा दीक्षांत समारोह 3 दिसंबर को आर्य भट्ट सभागार, मोरहाबादी में दोपहर 2 बजे आयोजित होगा। मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल रमेश बैस शिरकत करेंगे। अतिथि सम्मान जस्टिस रोंगन मुखोपाध्याय, सिटिंग जज, झारखंड उच्च न्यायालय व प्रभारी न्यायाधीश, नेशनल यूनिवर्सिटी फॉर एजुकेशन एंड रिसर्च इन लॉ रांची के होंगे। 2022 में स्नातक करने वाले 139 छात्रों को डिग्री दी जायेगी। इसमें 7 पीएचडी डिग्री शामिल हैं। 2022 में स्नातक करने वाले सभी छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर दीक्षांत समारोह के लिए तुरंत ऑनलाइन पंजीकरण कराएं। विश्वविद्यालय के सभी पूर्व छात्रों की बैठक उसी दिन संध्या 6.30 बजे काव्स रेस्टोरेंट, हरमू रोड में होगी।

पूर्वांचल सूर्य रांची,बुधवार,23 नवंबर 2022

कामकाजी पेशेवरों के लिए साइबर सुरक्षा पर इक्फाई विश्वविद्यालय में ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स 27से

- ऑनलाइन आवेदन की तिथि 25 नवंबर तक
- साइबर सुरक्षा जरूरी प्रो.ओआरएस राव

विशेष संवाददाता

रांची। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, झारखंड द्वारा गैर-आईटी कामकाजी पेशेवरों के लिए साइबर सुरक्षा पर 6 सप्ताह का ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स 27 नवंबर 2022 से शुरू किया जाएगा। ऑनलाइन कक्षाएं प्रत्येक रविवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित की जाएंगी। इच्छुक उम्मीदवार 5,000 रुपये के पाठ्यक्रम शुल्क का भुगतान करके 25 नवंबर 2022 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

कार्यक्रम की घोषणा करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.ओआरएस राव ने कहा कि आज की डिजिटल दुनिया में, घरेलू उपकरण से लेकर कार तक सब कुछइंटरनेट-सक्षम है। व्यावहारिक रूप से, किसी व्यवसाय में प्रत्येक कार्य, चाहे वह किसी भी प्रकार का उद्योग हो, चाहे वह विनिर्माण या सेवा हो, डिजिटल रूप से सक्षम है। व्यापार करने में आसानी के साथ-साथ साइबर जोखिम भी आया। हाल के एक अध्ययन के अनुसार, अकेले 2022 के पहले 8 कैलेंडर महीनों में, साइबर हमलों में पिछले वर्ष की तुलना में 670 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे व्यापार में भारी नुकसान हुआ, ग्राहक असंतोष और मूल्यवान ग्राहक डेटा का नुकसान हुआ। साइबर जोखिम आने वाले दिनों में व्यापार के अस्तित्व और विकास के लिए सबसे बड़ी बाधा है। यह सभी कामकाजी पेशेवरों, शिक्षाविदों, सरकारी अधिकारियों, छात्रों और यहां तक कि गृहिणियों के बीच साइबर सुरक्षा पर जागरूकता की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। प्रो. राव ने कहा कि यह प्रमाणपत्र कार्यक्रम विशेष रूप से उपरोक्त जरूरतों को पूरा करने और गैर-आईटी व्यक्तियों को साइबर तैयार होने के लिए तैयार करने के लिए डिजाइन किया गया था, ताकि वे लगातार बढ़ते साइबर जोखिमों से समझौता किए बिना डिजिटल क्रांति के लाभों का उपयोग कर सकें। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा, जिसमें प्रोफेसर अजय सिंह भी शामिल हैं, जिन्होंने साइबर सुरक्षा पर दो पुस्तकें लिखी हैं।

कार्यक्रम के विवरण के बारे में बताते हुए, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रोफेसर अरविंद कुमार ने कहा, -यह कार्यक्रम साइबर जोखिमों और उनसे बचने के लिए दिशा-निर्देशों की व्यापक समझ प्रदान करता है और यदि साइबर अपराध व्यावहारिक और कानूनी ढांचे से होता है तो इसे संबोधित करने के तरीके प्रदान करता है। पाठ्यक्रम को आईटी के किसी पूर्व ज्ञान की आवश्यकता नहीं है। व्याख्यान किसी भी गैर-आईटी व्यक्ति द्वारा समझना आसान होगा और इसमें व्यावहारिक सत्र होंगे। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय द्वारा एक प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। पाठ्यक्रम का विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

For TV, e-paper & news visit: www.live7tv.com
Morning India
WEDNESDAY, RANCHI, NOVEMBER 23, 2022

Online Certificate Course on Cyber Security for Non-IT Working Prof from Nov 27

RANCHI: A 6-week Online Certificate Course on Cyber Security for Non-IT Working Professionals will be conducted by the ICFAI University Jharkhand, starting from 27th Nov 2022. The online classes will be conducted every Sunday from 11 AM to 1 PM. Interested candidates can apply online (http://tinyurl.com/2ryqvu4f) upto 25th Nov 2022, by paying the course fee of Rs 5,000 .

Announcing the program, Prof O R S Rao, Vice-Chancellor of the University said," In today's Digital world, everything from a household appliance to a car is Internet-enabled. Practically, every function in a business, irrespective of the type of industry, be it manufacturing or services, is digitally-enabled. Along with ease of doing business came the Cyber Risk. As per a recent study, in the first 8 calendar months of 2022 alone , Cyber-attacks increased by 670% over last year, causing enormous business loss , customer dissatisfaction and loss of valuable customer data. Cyber Risk is the biggest barrier for survival and growth of business in the days-to-come. This underlines the urgent need for awareness on Cyber Security among all the working professionals, academicians, government officials, students and even housewives". " This certificate program was designed exclusively to address the above needs and prepare the non-IT persons to be Cyber Ready so that they can harness the benefits of Digital Revolution , without compromising the ever increasing Cyber Risks. The program will be conducted by experts in the field, including Prof Ajay Singh, who authored two books on Cyber Security." added Prof Rao.

Explaining the details of the program, Prof Arvind Kumar, Registrar of the University said," This Program provides a comprehensive understanding of the Cyber Risks and guidelines to avoid them and ways of addressing the same if a Cyber Crime happens from practical and legal framework. The course does not need any prior knowledge of IT. The lectures will be easy to understand by any non-IT person and will have practical sessions. All participants that successfully complete the program will be awarded a Certificate by the University. Details of the course are available on our University website www.iujharkhand.edu.in "

राष्ट्रीय सागर
रांची
बुधवार, 23 नवंबर 2022 12
web: rashtriyasagar.com

ब्रीफ न्यूज

27 नवंबर से गैर-आईटी कामकाजी पेशेवरों के लिए साइबर सुरक्षा पर इक्फाई विश्वविद्यालय ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स

रांची : आईसीएफएआई विश्वविद्यालय झारखंड द्वारा गैर-आईटी कामकाजी पेशेवरों के लिए साइबर सुरक्षा पर 6 सप्ताह का ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स 27 नवंबर 2022 से शुरू किया जाएगा। ऑनलाइन कक्षाएं प्रत्येक रविवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित की जाएंगी। इच्छुक उम्मीदवार 5,000 रुपये के पाठ्यक्रम शुल्क का भुगतान करके 25 नवंबर 2022 तक ऑनलाइन (http://tinyurl.com/2ryqvu4f) आवेदन कर सकते हैं। कार्यक्रम की घोषणा करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओ आर एस राव ने कहा, ?आज की डिजिटल दुनिया में, घरेलू उपकरण से लेकर कार तक सब कुछ इंटरनेट-सक्षम है। व्यावहारिक रूप से, किसी व्यवसाय में प्रत्येक कार्य, चाहे वह किसी भी प्रकार का उद्योग हो, चाहे वह विनिर्माण या सेवा हो, डिजिटल रूप से सक्षम है। व्यापार करने में आसानी के साथ-साथ साइबर जोखिम भी आया साइबर जोखिम आने वाले दिनों में व्यापार के अस्तित्व और विकास के लिए सबसे बड़ी बाधा है। यह सभी कामकाजी पेशेवरों, शिक्षाविदों, सरकारी अधिकारियों, छात्रों और यहां तक कि गृहिणियों के बीच साइबर सुरक्षा पर जागरूकता की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा, जिसमें प्रोफेसर अजय सिंह भी शामिल हैं, जिन्होंने साइबर सुरक्षा पर दो पुस्तकें लिखी हैं। कार्यक्रम के विवरण के बारे में बताते हुए, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रोफेसर अरविंद कुमार ने कहा, यह कार्यक्रम साइबर जोखिमों और उनसे बचने के लिए दिशा-निर्देशों की व्यापक समझ प्रदान करता है और यदि साइबर अपराध व्यावहारिक और कानूनी ढांचे से होता है तो इसे संबोधित करने के तरीके प्रदान करता है। पाठ्यक्रम को आईटी के किसी पूर्व ज्ञान की आवश्यकता नहीं है। व्याख्यान किसी भी गैर-आईटी व्यक्ति द्वारा समझना आसान होगा और इसमें व्यावहारिक सत्र होंगे। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय द्वारा एक प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। पाठ्यक्रम का विवरण हमारे विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.iujharkhand.edu.in पर उपलब्ध है।

पूर्वांचल सूर्य रांची,बुधवार,23 नवंबर 2022

कामकाजी पेशेवरों के लिए साइबर सुरक्षा पर इक्फाई विश्वविद्यालय में ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स 27से

- ऑनलाइन आवेदन की तिथि 25 नवंबर तक
- साइबर सुरक्षा जरूरी प्रो.ओआरएस राव

विशेष संवाददाता

रांची। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, झारखंड द्वारा गैर-आईटी कामकाजी पेशेवरों के लिए साइबर सुरक्षा पर 6 सप्ताह का ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स 27 नवंबर 2022 से शुरू किया जाएगा। ऑनलाइन कक्षाएं प्रत्येक रविवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित की जाएंगी। इच्छुक उम्मीदवार 5,000 रुपये के पाठ्यक्रम शुल्क का भुगतान करके 25 नवंबर 2022 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

कार्यक्रम की घोषणा करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.ओआरएस राव ने कहा कि आज की डिजिटल दुनिया में, घरेलू उपकरण से लेकर कार तक सब कुछइंटरनेट-सक्षम है। व्यावहारिक रूप से, किसी व्यवसाय में प्रत्येक कार्य, चाहे वह किसी भी प्रकार का उद्योग हो, चाहे वह विनिर्माण या सेवा हो, डिजिटल रूप से सक्षम है। व्यापार करने में आसानी के साथ-साथ साइबर जोखिम भी आया। हाल के एक अध्ययन के अनुसार, अकेले 2022 के पहले 8 कैलेंडर महीनों में, साइबर हमलों में पिछले वर्ष की तुलना में 670 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे व्यापार में भारी नुकसान हुआ, ग्राहक असंतोष और मूल्यवान ग्राहक डेटा का नुकसान हुआ। साइबर जोखिम आने वाले दिनों में व्यापार के अस्तित्व और विकास के लिए सबसे बड़ी बाधा है। यह सभी कामकाजी पेशेवरों, शिक्षाविदों, सरकारी अधिकारियों, छात्रों और यहां तक कि गृहिणियों के बीच साइबर सुरक्षा पर जागरूकता की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। प्रो. राव ने कहा कि यह प्रमाणपत्र कार्यक्रम विशेष रूप से उपरोक्त जरूरतों को पूरा करने और गैर-आईटी व्यक्तियों को साइबर तैयार होने के लिए तैयार करने के लिए डिजाइन किया गया था, ताकि वे लगातार बढ़ते साइबर जोखिमों से समझौता किए बिना डिजिटल क्रांति के लाभों का उपयोग कर सकें। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा, जिसमें प्रोफेसर अजय सिंह भी शामिल हैं, जिन्होंने साइबर सुरक्षा पर दो पुस्तकें लिखी हैं।

कार्यक्रम के विवरण के बारे में बताते हुए, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रोफेसर अरविंद कुमार ने कहा, -यह कार्यक्रम साइबर जोखिमों और उनसे बचने के लिए दिशा-निर्देशों की व्यापक समझ प्रदान करता है और यदि साइबर अपराध व्यावहारिक और कानूनी ढांचे से होता है तो इसे संबोधित करने के तरीके प्रदान करता है। पाठ्यक्रम को आईटी के किसी पूर्व ज्ञान की आवश्यकता नहीं है। व्याख्यान किसी भी गैर-आईटी व्यक्ति द्वारा समझना आसान होगा और इसमें व्यावहारिक सत्र होंगे। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय द्वारा एक प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। पाठ्यक्रम का विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।